IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

अलवर जिले के औद्योगिक क्षेत्रों मे विषमताएं

उपेन्द्र कुमार[1]
शोधार्थी
भूगोल विभाग
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर

डॉ. विजय सिंह मीणा[2]
सहायक आचार्य
भूगोल विभाग
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर

सारांश

अलवर जिला औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला है। यहां औद्योगीकरण की गति तीव्र है। यह जिला राजस्थान राज्य के उत्तर–पूर्व में स्थित है तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अंतर्गत शामिल है। जिले का अक्षांशीय विस्तार 27°04′उत्तर से 28°04′उत्तर तक तथा देशान्तरीय विस्तार 76°07′पूर्व से 77°13′पूर्व तक है। जिले में औद्योगिक क्षेत्रों के विस्तार, भूमि विकास एवं अवसरंचना हेतु रीको एवं राजस्थान वित्त निगम सुविधाएं मुहैया कराते है। अध्ययन क्षेत्र के अंतर्गत वर्तमान में 30 औद्योगिक क्षेत्र स्थित है जिनमें प्रमुख है–भिवाड़ी, खुशखेडा, नीमराणा, टपुकड़ा, घिलोट व मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र आदि । इन औद्योगिक क्षेत्रों के अंतर्गत मुख्यतः इंजीनियरिंग, टैक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, रसायन, धातु, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाद्य एवं कृषि प्रसंस्करण उद्योग एवं खनिज आधारित उद्योग स्थित है। अलवर जिला खनिज संसाधनों में धनी है यहां मार्बल, सिलिका बैंड, मैसनरी स्टोन, चर्ट और ग्रेनाइट का खनन किया जाता है। अध्ययन क्षेत्र के उत्तर दिशा में औद्योगिक क्षेत्र अधिक विकसित अवस्था में है तथा दक्षिण दिशा में कम विकसित है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों के मध्य उत्पन्न विषमताओं के बारे में जानना है। औद्योगिक क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले कुछ मुख्य कारक जैसे– परिवहन, कच्चा माल, पूंजी, ऊर्जा, बाजार, श्रम व भूमि आदि है। इस अध्ययन में द्वितीयक आंकड़ो का प्रयोग किया गया है जों जिला औद्योगिक केन्द्र अलवर, राजस्थान वित्त निगम, रीको व अन्य कारकों से सम्बंधित विभागों से प्राप्त किए गए है। जिले के नीमराणा में जापानी जोन, घिलोट में कोरियन एवं दूसरा जापानी जोन तथा मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में एग्रोफूड पार्क की स्थापना की गई है। राजस्थान सरकार द्वारा नीमराणा–शाहजहांपुर–भिवाड़ी को निवेश जोन बनाया गया है। औद्योगिक क्षेत्रों को एक दुसरे से जोड़ने व परिवहन सुविधाएं को विकसित करने हेतु दिल्ली–मुंबई औद्योगिक गलियारा बनाया गया है। अध्ययन क्षेत्र के उत्तर दिशा में स्थित औद्योगिक क्षेत्र भिवाड़ी, शाहजहांपुर व नीमराणा का विकसित होने का मुख्य कारण अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आकर्षित होना व परिवहन सुविधाएं सुविकसित अवस्था में है तथा दक्षिण के औद्योगिक क्षेत्रों में परिवहन एवं अन्य कारकों का अभाव है।

प्रमुख शब्द –औद्योगीकरण, विषमताएं, औद्योगिक क्षेत्र, परिवहन

परिचय –

उद्योग वह आर्थिक गतिविधि है जिसके अन्तर्गत वस्तुओं का उत्पादन, खनिजों का निष्कर्षण तथा सेवाओं के प्रावधान सम्मिलित होते है अर्थात् उद्योग संगठनों का समूह है जो एक प्रकार के उत्पाद व सेवा उपलब्ध कराते है। उद्योग आर्थिक क्षेत्र के द्वितीयक गतिविधि का भाग है। उद्योगों को बढावा देने हेतु अधिक उन्नत प्रौद्योगिकी, तकनीकी प्रगति, कृषि क्षेत्र से औद्योगिक श्रम की ओर परिवर्तन तथा नई उद्योग के लिए वित्तीय निवेश आदि महत्वपूर्ण है। औद्योगिकरण की शुरूआत ब्रिटेन से प्रारम्भ हुई तथा भारत में प्रवेश उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में हुआ।

औद्योगिक क्षेत्र से तात्पर्य एक ऐसे क्षेत्र से जहां औद्योगिक संचालन का प्रतिशत उच्च होता है तथा निर्मित औद्योगिक व्यापार और उत्पाद का निर्यात उच्च स्तर पर होता है। औद्योगिक क्षेत्र एक भौगोलिक क्षेत्र है जिसमें बडी संख्या में विनिर्माण या अन्य औद्योगिक संयंत्र केन्द्रित होते है। विश्व में अनेक देश औद्योगिक क्षेत्रों की दृष्टि से विकसित अवस्था में है। भारत औद्योगिक दृष्टि से विकासशील देश है। भारत में कुल 8 औद्योगिक प्रदेश विकसित अवस्था में है। इन औद्योगिक प्रदेशों में

सबसे बडा औद्योगिक क्षेत्र मुम्बई–पुणे औद्योगिक कॉरिडोर है जो 1200 वर्ग किमी. में फैला हुआ है। भारत के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में राजस्थान के पाली व भिवाडी शहर शामिल है।

राजस्थान औद्योगिक दृष्टि से उभरता हुआ राज्य है। यह देश में उद्योग की दृष्टि से 10वें स्थान पर है। राजस्थान राज्य में कृषि एवं खनिज पदार्थों की प्रधानता है। राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में वर्ष 2022–23 में 6.32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रीको द्वारा 2212.04 एकड़ भूमि को अधिग्रहित किया है तथा 8 नये औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना की जिनमें कुल 335.69 करोड रूपये का व्यय किया है। राजस्थान में अब तक कुल 372 औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना की गई है जो 85390 एकड (345.6 वर्ग किमी.) में फैले हुए है। रीको द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में 42300 उद्योग स्थापित है। सर्वाधिक औद्योगिक इकाइयां वाले जिलों में प्रथम जयपुर व दूसरा अलवर है। मध्यम एवं वृहत औद्योगिक इकाइयों की सर्वाधिक संख्या वाले जिले में प्रथम अलवर व द्वितीय भीलवाडा है। राजस्थान में 36 जिला औद्योगिक केन्द्र व 8 उपकेन्द्र स्थापित है तथा सभी जिला उद्योग केन्द्रों पर सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम इकाई (एमएसएमई) निवेशक सुविधा केन्द्र कार्यरत है। राज्य का औद्योगिक विकास का स्तर प्रगतिशील है यहां 3 निर्यात संर्वद्धन एवं औद्योगिक पार्क, 6 विशेष आर्थिक क्षेत्र, 2 बायोटेक्नोलॉजी पार्क, 4 सूचना प्रौद्योगिकी पार्क, 2 स्पाईस पार्क, 4 एग्रो फूड पार्क, 4 इन्लैण्ड कन्टेनर डिपो, कोरियाई पार्क, जापानी पार्क, मेगा टेक्सटाइल्स कलस्टर तथा राजसीको के सहयोग से एयर कारगों काम्पलेक्स की स्थापना की गई है।

राजस्थान राज्य का औद्योगिक दृष्टि से अलवर मुख्य जिला है। अलवर जिलें में 30 औद्योगिक क्षेत्र है जो 15189 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला हुआ है। यह औद्योगिक इकाइयों की दृष्टि से राजस्थान का दूसरा जिला है तथा यहॉ मध्यम एवं वृहत औद्योगिक इकाइयों की संख्या सर्वाधिक है। सबसे अधिक बहुराष्ट्रीय औद्योगिक इकाईयां भिवाड़ी में कार्यरत है। अलवर के औद्योगिक विकास में वृद्धि हेतु अग्रलिखित औद्योगिक क्षेत्रों में राज्य सरकार ने निर्यात संवर्द्धन एवं औद्योगिक पार्क नीमराणा में, बॉयोटेक्नोलॉजी पार्क भिवाडी में, एग्रो फूड पार्क एमआईए में, कोरियाई पार्क घिलोट में, जापानी पार्क नीमराणा व घिलोट में, एमएसएमई प्रौद्योगिकी सेंटर पथरेडी औद्योगिक क्षेत्र में, अपरेल सिटी का विकास करोली औद्योगिक क्षेत्र में, नॉलेज सिटी व ग्रीन एयरपोर्ट नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र में, कॉच व सिरेमिक उद्योग घिलोट औद्योगिक क्षेत्र में तथा अलवर में कौशल केन्द्र स्थापित किया है। राजस्थान लघु उद्योग निगम के सहयोग से भिवाडी में इनलैण्ड कन्टेनर डिपो की स्थापना की है। पहला विशेष निवेश क्षेत्र भिवाडी इंटीग्रेटेड को घोषित किया है इसमें अलवर जिले के 363 गांव शामिल है। जिले की सकल घरेलू उत्पाद प्रचलित मूल्य पर 6583360 लाख तथा स्थिर मूल्य पर 4781159 लाख है तथा प्रति व्यक्ति आय प्रचलित मूल्य पर 137313 व स्थिर मूल्य पर 98488 है। अलवर में वृहद् स्तर की औद्योगिक इकाईयां स्थापित है जिनमें मुख्यतः अशोक लीलैण्ड, पेप्सी, होण्डा मोटर्स, हीरो कॉर्प, काजारिया सिरेमिक्स आदि। अलवर जिले में औद्योगिक क्षेत्रों में विषमताएं अधिक पाई जाती है। औद्योगिक क्षेत्रों को परिवहन, पूंजी, श्रम, बाजार, ऊर्जा व भूमि आदि कारक प्रभावित करते है।

सारणी 1. जिले में औद्योगिक क्षेत्र

क्र.सं.	औद्योगिक क्षेत्र	कुल क्षेत्रफल (एकड़)	विकसित प्लॉट	आवंटित प्लॉट
जिला औद्योगिक केन्द्र, अलवर				
1	मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र,अलवर	1804.32	711	708
2	मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र एक्सटेंशन,अलवर	207.52	209	209
3	एग्रो फूड पार्क, अलवर	192.47	226	152
4	एमआईए,(दक्षिण और पूर्व) अलवर	51.75	13	13
5	एमआईए,(दक्षिण और पूर्व) एक्सटेंश, अलवर	84.58	34	15
6	खेड़ली	8.41	27	27
7	राजगढ़	40.59	112	106
8	खैरथल	69.93	134	134
9	थानागाजी	33.12		50
10	पुराना औद्योगिक क्षेत्र,अलवर	179.76	59	59
जिला औद्योगिक केन्द्र, भिवाड़ी				
11	बहरोड़	280.86	303	302
12	सोतानाला	151.91	88	87
13	भिवाड़ी फेज 1 से 4	2075.35	1665	1663
14	खुशखेड़ा	825.83	1017	1047
15	आईआईडी केन्द्र खुशखेड़ा	175.3	402	399
16	पथरेड़ी	538.1	128	104
17	चोपानकी	820.00	1107	1017
18	टपूकड़ा	781.44	128	104
19	शांहजहांपुर	164.04	189	189
20	नीमराणा–1 नीमराणा–2	66.05	4	4

21	ईपीआईपी नीमराणा	646.76 315.35	150 95	150 94
22	सरे खुर्द	210.51	225	225
23	एनआईसी नीमराणा–3	94.59	63	63
24	रामपुर मुंडाणा	1161.47	127	99
25	क्हरानी	63.28	272	272
26	घिलोट	1216.88	344	312
27	करोली	1929.70	312	137
28	सलारपुर	971.10	363	280
29	कोलिला जोगा	1056.18		01
30	केशवाना	470.35	39	28

स्त्रोतः जिला औद्योगिक केन्द्र,अलवर

अध्ययन क्षेत्र – राजस्थान राज्य के उत्तर–पूर्व में स्थित अलवर औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला है। यह अरावली पहाडियों से घिरा हुआ है। यहॉ प्रचुर मात्रा में खनिज पदार्थ उपलब्ध है। भौगोलिक स्थिति के अनुसार यह 27°04′से 28°04′उत्तरी अक्षांश तथा देशान्तर स्थिति 76°07′ से 77°13′पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। जिले को 27°35′उत्तरी अक्षांश तथा 76°37′पूर्वी देशान्तर मध्य से अलग करता है। इसका कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 8380 वर्ग किमी. है जो राजस्थान राज्य के कुल क्षेत्रफल का 2.45 प्रतिशत है। यह अर्द्ध आर्द्र प्रदेश में स्थित है। यह जिला 16 तहसीलों में विभाजित है जिसमें अधिकतर तहसील औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

जनगणना 2011 के अनुसार जिले की कुल जनसंख्या 36.74 लाख है तथा जनसंख्या घनत्व 438 प्रति व्यक्ति वर्ग किमी. व साक्षरता दर 70.72 प्रतिशत है। जिले में कुल 30 औद्योगिक क्षेत्र है जो राजस्थान में स्थित कुल औद्योगिक क्षेत्रों का 8.06 प्रतिशत है। जिले में मुख्य गतिविधि कृषि है जो कार्यशील जनसंख्या का 71.43 प्रतिशत को रोजगार प्रदान करती है।

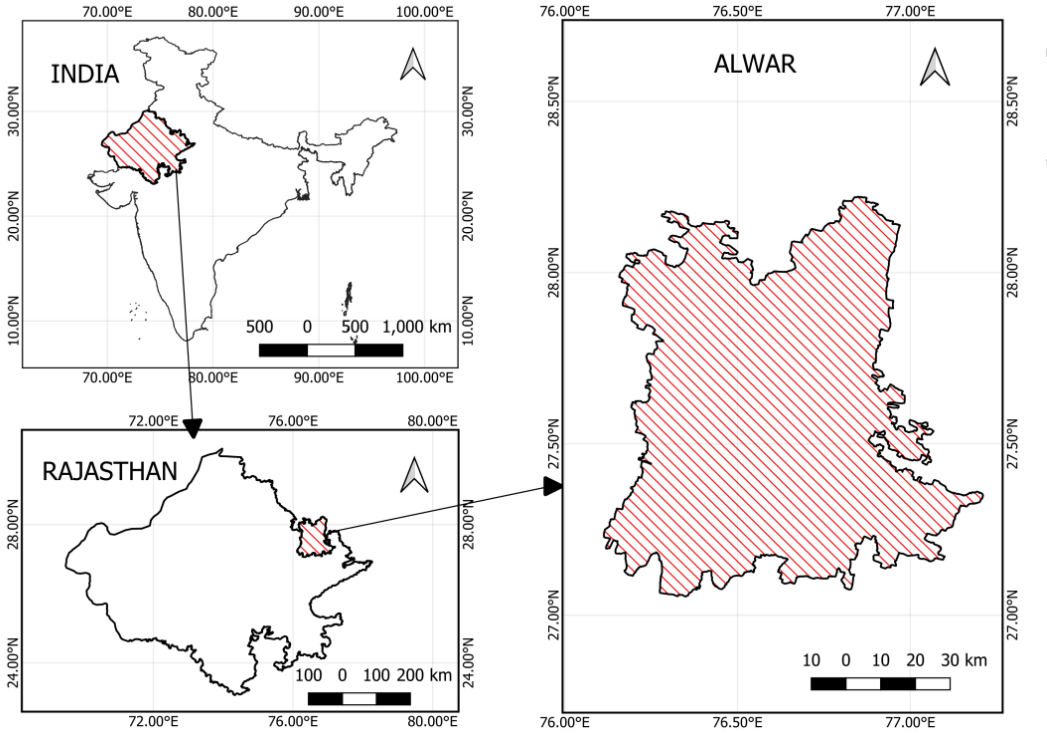

स्त्रोतः– शोधार्थी द्वारा निर्मित

चित्र 1 औद्योगिक क्षेत्र

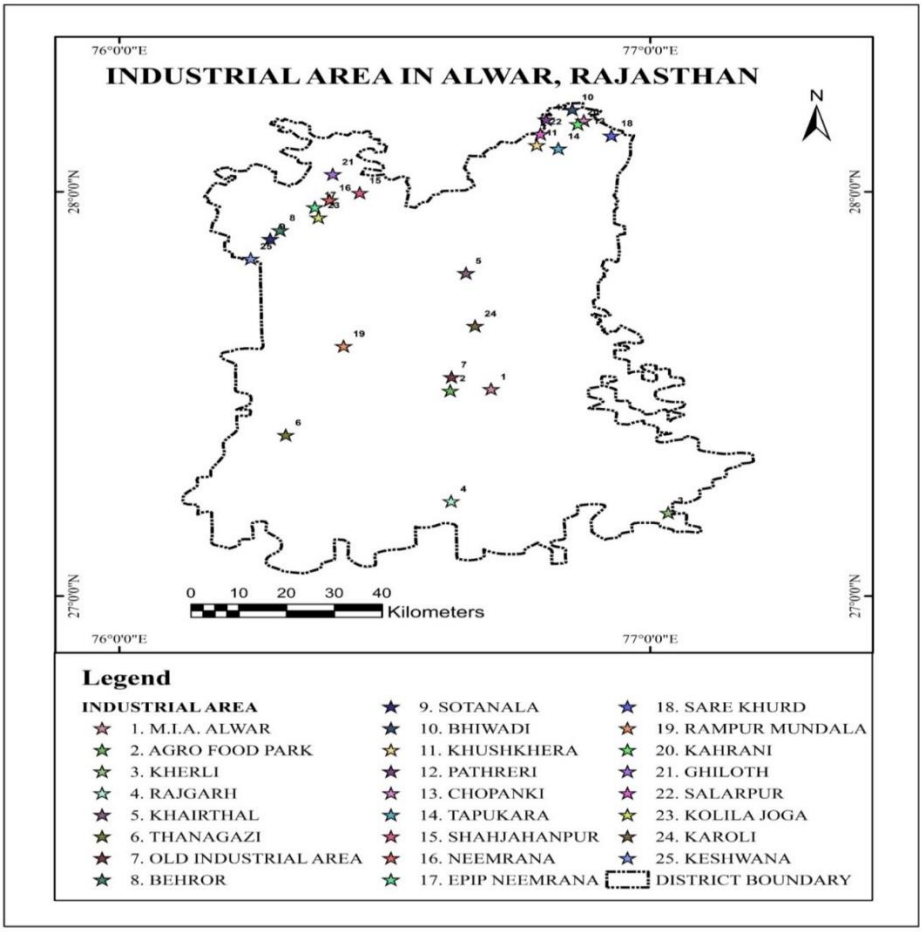

स्त्रोत– रीको,अलवर

उद्देश्य –1. औद्योगिक क्षेत्रों के मध्य विषमताओं का अध्ययन करना।

2. औद्योगिक क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन।

विधितंत्र –

वर्तमान अध्ययन में मुख्यतः द्वितीयक आंकडों का उपयोग किया गया है। यह द्वितीयक आंकडें जिला औद्यागिक केन्द्रों अलवर एवं भिवाडी, रीको अलवर, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय अलवर, राजस्थान आर्थिक समीक्षा 2022–23, इण्डिया स्टैट व अन्य सम्बन्धित विभागों व इन्टरनेट के माध्यम से प्राप्त किये गये है। इन एकत्रित द्वितीयक आंकडों का आंकलन व विश्लेषण तथा प्रत्येक कारक की व्याख्या विस्तृत रूप से की गई है।

परिवहन–

परिवहन औद्योगिक विकास का आधारभूत तत्वों में एक है। अलवर जिला सडक द्वारा अन्य शहरों से अच्छे प्रकार से जुडा हुआ है। बहरोड औद्योगिक क्षेत्र राज्य राजधानी और राष्ट्रीय राजधानी से भली भांति जुडा हुआ है। जिला औद्योगिक केन्द्र भिवाडी के अन्तर्गत शामिल औद्योगिक क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग व राज्य राजमार्ग से जुडे हुये है जबकि जिला औद्योगिक केन्द्र अलवर के औद्योगिक क्षेत्रों में इनका अभाव है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 जिले के शाहजहांपुर, नीमराणा, बहरोड व कोटपुतली के औद्योगिक क्षेत्र के पास गुजरता है तथा राज्य राजमार्ग 13 अलवर से राजगढ के औद्योगिक क्षेत्र को मिलाता है व राज्य राजमार्ग 14 अलवर से बहरोड को जोडता है। दिल्ली–मुम्बई औद्योगिक गलियारा अलवर जिले से निकलता है इस पर खुशखेडा–भिवाडी–नीमराणा निवेश क्षेत्र की स्थापना की है इसका क्षेत्र 165 वर्ग किमी. तथा 42 गॉव शामिल किये है। भिवाडी में आन्तरिक शुष्क बन्दरगाह की स्थापना की जो औद्योगिक उत्पादों के आयात–निर्यात को सुगम बनाता है। उत्तरी औद्योगिक क्षेत्रों के पास ही दिल्ली एयरपोर्ट भी आयात–निर्यात की सुविधा प्रदान करता है तथा नीमराणा में भी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाया जायेगा। परिणामस्वरूप अलवर जिले के उत्तरी भाग तथा जिला औद्योगिक केन्द्र भिवाडी के अन्तर्गत आने वाले औद्योगिक क्षेत्रों में परिवहन सुविधा विकसित अवस्था में है जबकि दक्षिण भाग तथा जिला औद्योगिक केन्द्र अलवर में शामिल औद्योगिक क्षेत्रों में परिवहन सुविधाओं का अभाव है।

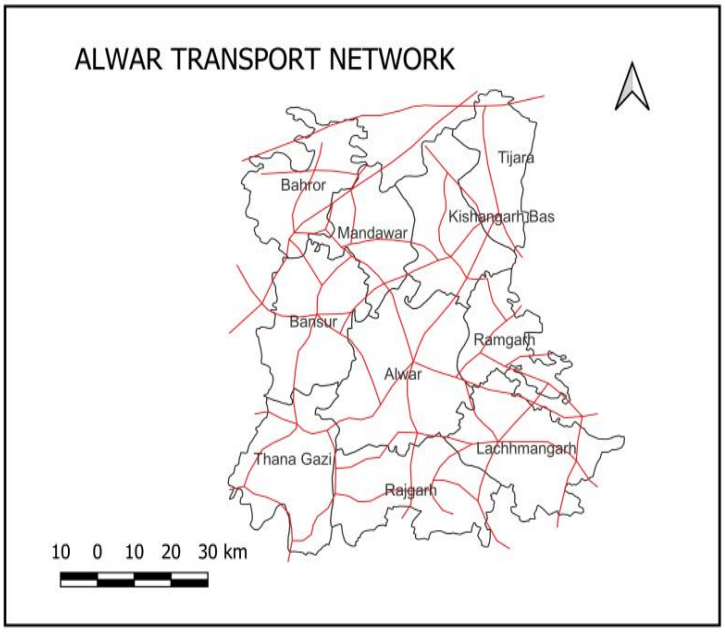

स्त्रोतः— Maps of India

कच्चा माल—

उद्योगों हेतु मुख्य आधारभूत तत्व कच्चा माल है। कच्चे माल के बिना उद्योगों की स्थापना नहीं की जा सकती है। अलवर जिले में ऑटोपार्ट्स उद्योग की अधिकता है। अलवर जिले में कृषि की प्रधानता है। यहां गेहूं, बाजरा, सरसों, ज्वार, एवं जौ पैदा किया जाता है। यहां खनिजों में मुख्यतः सिलिका सेण्ड, डोलोमाइट, मैसनरी स्टोन, मार्बल, ग्रेनाइट एवं चर्ट आदि का खनन किया जाता है। जिले के दक्षिण भाग में खनिजों का खनन राजगढ व थानागाजी तहसील में अधिक मात्रा में होता है। इन खनिज पदार्थों से सम्बन्धित इकाईयां राजगढ, थानागाजी व एमआईए औद्योगिक क्षेत्रों में अधिक विस्तृत है। अलवर में स्थानीय स्तर पर सरसों का उत्पादन अधिक होता है। अतः एग्रो फूड पार्क औद्योगिक क्षेत्र में सरसों तेल मिल की 50 से अधिक इकाईयां स्थापित की गई है। भिवाडी औद्योगिक क्षेत्र के पास स्थित शहरों में बडी ऑटोमोबाइल कम्पनी के लिए इस औद्योगिक क्षेत्र में छोटी बडी कम्पनियां विभिन्न पार्ट्स का निर्माण करती है।

सारणी 2. उद्योग एवं औद्योगिक क्षेत्र में स्थिति

क.सं.	उद्योग का प्रकार	प्रति इकाई निवेश (रू 000)		उद्योग की स्थिति
		भूमि एवं भवन	प्लान्ट एवं मशीनरी	
1	मर्स्टड स्पलिट	500	700	खैरथल,तिजारा, अलवर,खेडली
2	मसाला पाउडर	250	620	बहरोड,खेडली,बानसूर
3	आटा	500	500	राजगढ़,बहरोड, अलवर, तिजारा
4	वेज प्रसंस्करण	500	700	राजगढ़, अलवर, बहरोड़
5	सीमेंट जेली	100	100	बहरोड, एमआईए, रामगढ़
6	मार्बल गैंग सा	1000	10000	एमआईए, राजगढ़
7	खनिज पाउडर	1000	2500	राजगढ़, थानागाजी
8	ग्रेनाइट टाइलस	500	6000	एमआईए, राजगढ़
9	कॉटन गाइनिंग	800	3000	राजगढ़, खैरथल
10	स्टोन ग्रिट	500	2000	अलवर, भिवाड़ी, राजगढ़
11	इंजीनियरिंग	200	1000	राजगढ़,थानागाजी,अलवर, भिवाड़ी, बहरोड, शाहजहांपुर
12	कृषि उपकरण	200	500	राजगढ़,थानागाजी,अलवर, बहरोड
13	इलेक्टॉनिक सामान	500	800	अलवर, भिवाड़ी, शाहजहांपुर
14	रॉलिग मिल	2000	8000	भिवाड़ी
15	ऑटोमोटिव अवयव	500	2000	भिवाड़ी

स्त्रोतः— आईपीएस रिपोर्ट 2022—23, रीको,अलवर

पूंजी – उद्योगों को स्थापित करने हेतु पूंजी आवश्यक कारक है। राजस्थान में औद्योगिक विकास के लिए रीको, राजस्थान वित्त निगम व राजसीको संस्थाएं कार्यरत है। रीको द्वारा तीव्र औद्योगिक विकास करना, लघु एवं मध्यम ऋण, तकनीकी सलाह व मर्चेंट बैंकिंग का कार्य करती है। राजस्थान वित्त निगम द्वारा नए उद्योगों को स्थापित करना व पुराने उद्योगों का विस्तार करना है। राजस्थान लघु उद्योग विकास निगम लघु इकाइयों को कच्चा माल, तकनीकी सलाह, साख, उद्यमियों को प्रशिक्षण तथा वस्तुओं के विपणन की सुविधा प्रदान करना है। अलवर जिले में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित लघु पैमाने के उद्योगों के लिए बैंकों द्वारा 5421.39 करोड का लोन दिया गया है। राजस्थान वित्त निगम द्वारा पिछले तीन वर्षो में 507.79 करोड के ऋण वितरित किये है। राष्ट्रीय राजधानी के पास स्थित होने के कारण यहां अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार आकर्षित हुआ है। यहां नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र में 1163 एकड क्षेत्रफल में जापानी जोन स्थापित किया गया है जिसमें 45 जापानी इकाइयां कार्यरत है तथा 42. 22 बिलियन डॉलर का निवेश किया गया है। दूसरा जापानी जोन घिलोट औद्योगिक क्षेत्र में 533.36 एकड में बनाया गया है यहां 1.7 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। घिलोट औंद्योगिक क्षेत्र में ही कोरियन जोन 263 एकड में स्थापित किया गया है। सलारपुर औद्योगिक क्षेत्र में ताइवानीज जोन बनाया जा रहा है। दिल्ली के कारोबारियों के लिए भी जिला औद्योगिक केन्द्र भिवाडी के औद्योगिक क्षेत्र निवेश हेतु आकर्षित बने हुए है। परिणामस्वरूप जिले के उत्तरी भाग में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश अधिक हुआ है तथा दक्षिणी भाग में स्थित औद्योगिक भागों में इसका निरन्तर अभाव है।

श्रम :– उद्योगों के लिए श्रम एक महत्वपूर्ण कारक है। श्रम के बिना उद्योगों का विकास नहीं हो सकता। जिला औद्योगिक केन्द्र अलवर के अन्तर्गत शामिल औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत वृहत उद्योगों में कुल श्रमिक 17068 तथा डी.आई.सी. भिवाडी के अन्तर्गत कुल श्रमिक 40016 हैं। मध्यम उद्योगों में डी.आई.सी. अलवर में 390 तथा डी.आई.सी. भिवाडी में 7655 श्रमिक कार्यरत हैं। जिले के संसाधन आधारित उद्योगों में कुल श्रमिक 1766, मांग आधारित उद्योगों में 2445 तथा आनुषंगिक (सहायक) उद्योगों में 139 श्रमिक हैं। डी.आई.सी. अलवर में शामिल उद्योग क्षेत्रों में हस्तशिल्प उद्योगों की अधिकता है। हस्तशिल्प उद्योगों में 1751 श्रमिक कार्यरत हैं। परिणामस्वरूप डी.आई.सी. भिवाडी के अन्तर्गत शामिल औद्योगिक क्षेत्रों में डी.आई.सी. अलवर के क्षेत्रों से वृहत तथा मध्यम उद्योगों में 173.06% श्रमिकों की अधिकता है। अतः भिवाडी के औद्योगिक क्षेत्र श्रमिकों को रोजगार के अवसर प्रदान में आगे हैं तथा इन क्षेत्रों में उत्तरप्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा एवं अन्य राज्यों से लोगों का प्रवसन होता है। स्थानीय स्तर पर लोगो को रोजगार प्राप्त होता है।

बाजार– उद्योगों में निर्मित उत्पादों के लिए बाजार का होना आवश्यक है। अलवर जिले से विभिन्न प्रकार के उत्पादों का निर्यात किया जाता है। जिनमें है–शेविंग ब्लेड, सर्जिकल ब्लेड, सिंथेटिक, मिश्रित कपडे, चमडे के जूते, टायर–टयूब, पिक्चर टयूब, रसायन, सेनेटरी आइटम, स्लेट टाइल, कैल्शियम साइनायड, क्रॉकरी, मोपेड, पीवीसी केबल, सेनेटरी वेयर, रेडीमेड वस्त्र आदि। राजगढ़, थानागाजी रामगढ व अलवर औद्योगिक क्षेत्रों से मूर्तिकला, टेराकोटा शिल्प, चमडा का सामान व लकडी का सामान आदि उत्पादों का निर्यात किया जाता है। इन क्षेत्रों में हस्तशिल्प उद्योग अधिक विकसित है। भिवाडी व इसके आस–पास के शहरों धारूहेडा, गुरूग्राम, नोएडा व दिल्ली में स्थित बडी ऑटोमोबाइल कम्पनियों के लिए इन औद्योगिक क्षेत्रों की छोटी–बडी कम्पनियों से विभिन्न पार्टस बनाकर निर्यात किये जाते है। अलवर से उत्पाद का निर्यात फिजी, यूनाइटेड स्टेटस्, फ्रांस, इण्डोनेशिया, सिंगापुर,न्यूजीलैण्ड, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, स्विटजरलैण्ड,कनाडा व श्रीलंका आदि देशों में किया जाता है। देश में उत्पादों का निर्यात हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, आन्ध्रप्रदेश व अन्य राज्यों में किया जाता है। जिला औद्योगिक केन्द्र भिवाडी के औद्योगिक क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली एक बडा बाजार उपलब्ध कराती है।

निष्कर्ष– अलवर जिले में औद्योगिक विकास का स्तर उच्च है। यहां विस्तृत औद्योगिक क्षेत्रों में विषमताएं अधिक नजर आती है। जिलें में दो जिला औद्योगिक केन्द्र स्थित है। भिवाडी केन्द्र के औद्योगिक क्षेत्र विकसित व अलवर केन्द्र के अविकसित अवस्था में है। जिले के उत्तरी भाग में सुविकसित परिवहन सुविधाओं के कारण औद्योगिक क्षेत्र विकसित है। यहां आयात–निर्यात आसानी से होता है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 एवं दिल्ली मुम्बई औद्योगिक गलियारा यहां से गुजर रहा है। जबकि जिले के दक्षिणी भाग में परिवहन के साधन व सडक मार्ग कम विकसित है। जिले के दक्षिण भाग में खनिजों की प्रधानता है लेकिन यहां खनिज आधारित कम विकसित है। यहां हस्तशिल्प उद्योग अधिक मात्रा में है। भिवाडी, नीमराणा व अन्य उत्तरी औद्योगिक क्षेत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार अधिक विकसित है तथा बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अधिक है। जापानी, कोरियाई व ताइवानीज जोन यहां बनाये गये है। जबकि राजगढ, थानागाजी व अलवर में अन्तर्राष्ट्रीय निवेश अधिक नहीं है। जिले में 100 से अधिक ऑटोमोटिव पार्ट्स की इकाईयां है जो बडी ऑटोमोबाइल कम्पनी को कच्चा माल उपलब्ध कराती है। अलवर जिले में सरसों का उत्पादन अधिक होता है इसलिए यहां एग्रो फूड पार्क की स्थापना की गई है जिसमें सरसों तेल मिल की इकाईयां लगी हुई है। जिला औद्योगिक केन्द्र भिवाडी के अन्तर्गत शामिल औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों की संख्या अधिक तथा डी.आई.सी. अलवर में कम है। ये औद्योगिक क्षेत्र प्रवासित एवं स्थानीय श्रमिकों को बेहतर रोजगार उपलब्ध कराते है। परिणामस्वरूप जिले के उत्तरी भाग के औद्योगिक क्षेत्र अधिक विकसित व दक्षिणी भाग कम विकसित है इसका मुख्य कारण आधारभूत सुविधाओं का अभाव है।

सुझाव –

1. जिले के दक्षिण भाग में उद्योगों का विस्तार कर स्थानीय श्रमिकों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करना।

2. औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विकास कर विदेशी व स्थानीय उद्यामियों को निवेश के लिए प्रोत्साहित करना जिससे स्थानीय स्तर पर सामाजिक–आर्थिक विकास तेजी से हो।

सन्दर्भ सूची :–

1. District socio-economic review (2019), Economic and Statistical Department Alwar.
2. Brief Industrial Profile of Alwar District (2015), MSME Development Institute Jaipur.
3. District Statistical outline(2019), Economic and Statistical Department Alwar.
4. Rajasthan Industrial Development policy (2019),Office of Commissioner Industries Jaipur.
5. Industrial Potential Survey (2023), District Industries Center alwar (Raj.), 31-51.
6. Kazuo,Tomozawa (2015).The frontier of the expanding industrial agglomeration in the National Capital Region of Delhi: Industrial development in Alwar district, Rajasthan, especially focusing on the Japanese. Journal of Urban and Regional Studies on Contemporary India, *2*(1), 13-25.
7. Rajasthan Economic Survey (2023), Finance Department Rajasthan,jaipur.
8. MSME Report (2019), MSME Development Institute Jaipur.
9. भारत लोग और अर्थव्यवस्था (2021), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् दिल्ली ।